

प्रेस विज्ञप्ति

सुंदरनगर में अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण एवं कृषि सामाग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय केंद्र, शिमला द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र, सुंदरनगर (मंडी), हिमाचल प्रदेश में अनुसूचित जाति उप योजना, भारत सरकार के अंतर्गत 100 किसानों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। किसानों को गेहूं की उन्नत किस्म एच एस 562 का बीज तथा छोटे कृषि उपकरण जैसे कुदाल, दराटी, स्टील की बाल्टी, थैला, पैड, क्रेट इत्यादि भी वितरित किए गए। इस योजना का उद्देश्य अनुसूचित जाति के किसानों को खुशहाल बनाना तथा खेती को अधिक लाभदायक बनाना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय केंद्र शिमला के प्रमुख डॉ धर्मपाल ने की जिन्होंने किसानों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं तथा गेहूं की उन्नत किस्म एच एस 562 की विशेषताओं एवं वैज्ञानिक तरीके से खेती करने के बारे में बताया। कृषि विज्ञान केंद्र, मंडी के समन्वयक डॉ. पंकज सूद ने केवीके की विभिन्न गतिविधियों और किसानों की आय बढ़ाने के लिए नई तकनीकों को अपनाने के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। डॉ कल्लोल कुमार प्रमाणिक ने किसानों को इस क्षेत्र के लिए उपयुक्त फलों की वैज्ञानिक विधियों के बारे में जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र मंडी की मृदा वैज्ञानिक डॉ नेहा चौहान ने किसानों को उर्वरक प्रबंधन पर जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ धर्म पाल, प्रमुख भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय केंद्र, शिमला ने की। विशिष्ट अतिथियों में श्री बिशन दास प्रधान ग्राम पंचायत कनैड, श्री गोविन्द राम प्रधान ग्राम पंचायत बड़सू तथा श्री पन्ना लाल प्रधान ग्राम पंचायत लोहरा रहे जिन्होंने किसानों से आग्रह किया कि किसान रासायनिक खादों तथा कीटनाशकों का संतुलित प्रयोग करें तथा अपनी कृषि संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए वैज्ञानिकों से सीधा संपर्क करें और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाएं जिससे उनकी आजीविका में सुधार हो सके। इस कार्यक्रम में किसान - वैज्ञानिक परिचर्चा का भी आयोजन किया गया जिसके दौरान किसानों द्वारा रखी गई समस्याओं का वैज्ञानिकों द्वारा समाधान किया गया।

Training and agricultural material distribution program organized under Scheduled Caste Sub Plan in Sunder Nagar

The Indian Agricultural Research Institute, Regional Station, Shimla, organized one-day training program for 100 farmers under the Scheduled Caste Sub-Plan, Government of India, at the Krishi Vigyan Kendra, Sunder Nagar (Mandi), Himachal Pradesh. Seed of the improved wheat variety HS562 and small agricultural

implements such as spades, sickles, steel buckets, bags, pads, and crates were distributed to the farmers. The scheme aims to enrich Scheduled Caste farmers and make farming more profitable. The program was chaired by Dr Dharam Pal, Head IARI Regional Station, Shimla, who explained government schemes for farmers, the characteristics of the improved wheat variety HS562, and scientific farming methods. Dr. Pankaj Sood, coordinator, Krishi Vigyan Kendra, Mandi, provided detailed information about various the various activities of the KVK and adoption new technologies for enhancing the income of the farmers. Dr. Kallol Kumar Pramanick informed farmers about scientific methods of fruit cultivation suitable for this region. Dr. Neha Chauhan, soil scientist at the Krishi Vigyan Kendra, Mandi, provided information on fertilizer management.

Special guests included Mr. Bishan Das, Pradhan, Gram Panchayat, Kanaid, Mr. Govind Ram, Pradhan, Gram Panchayat, Barsu, and Mr. Panna Lal, Pradhan, Gram Panchayat, Lohara of District Mandi, Himachal Pradesh, they urged the farmers to use chemical fertilizers and pesticides in a balanced manner. They also suggested the farmers to contact the scientists for resolving their agricultural problems, and to adopt modern agricultural techniques to improve their livelihoods. A farmer-scientist discussion was also organized during the program, during which the scientists addressed the problems raised by the farmers.



